भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 384

21 जुलाई, 2026 को उत्तरार्थ

विषय:- कृषि जनगणना (2021-22)

384. श्री शफी परम्बिलः

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 11वीं कृषि जनगणना (2021-22) की वर्तमान स्थिति क्या है और वर्ष 2022 में इसके शुरू होने से लेकर अब तक कार्य के कौन-कौन से चरण पूरे हो चुके हैं और इसमें क्या प्रगति हुई है;

(ख) जनगणना को पूरा करने और इसके निष्कर्षों को प्रकाशित करने में विलंब के कारण, यदि कोई हों, क्या हैं और इसे पूरा करने और जारी करने की संशोधित समय-सीमा क्या है;

(ग) अपनाई गई सैंपलिंग पद्धति, जहां भी लागू हो, को दर्शाते हुए जनगणना के अंतर्गत चुने गए अथवा शामिल किए गए गांवों और कृषि करने वाले परिवारों की राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है; और

(घ) क्या सरकार का कृषि उत्पादन, भूमिगत जोत, फसल विविधीकरण और किसानों के कल्याण से संबंधित नीतियां बनाने के लिए जनगणना के निष्कर्षों का उपयोग करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ): भारत में कृषि संगणना राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से प्रत्येक पांच वर्ष के बाद की जाती है। कृषि संगणना का फील्ड वर्क तीन अलग-अलग चरणों में किया जाता है। संदर्भ वर्ष 2021-22 के लिए चल रही 11वीं कृषि संगणना 2022 में आरंभ की गई और अब तक, तीन चरणों के लिए फील्ड वर्क और डेटा संग्रह समय सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया गया है।

इसके अतिरिक्त, चरण-I में, कृषि जोतों की प्राथमिक विशेषताओं और प्रचालित क्षेत्र के आंकड़े पूर्ण गणना के आधार पर एकत्र किए जाते हैं। चरण- II में, प्रत्येक तहसील में यादृच्छिक रूप से चयनित 20% सैंपल ग्रामों से फसल पैटर्न, सिंचाई की स्थिति आदि जैसी जोतों की विशेषताओं से संबंधित डेटा एकत्र किया जाता है। चरण III में, प्रत्येक तहसील में यादृच्छिक रूप से चयनित 7% सैंपल ग्रामों से प्रचालनात्मक जोतों के इनपुट उपयोग पैटर्न से संबंधित डेटा एकत्र किया जाता है।

कृषि संगणना देश में प्रचालन धारकों के सामाजिक-आर्थिक पहलुओं के संबंध में विश्वसनीय डेटा बेस प्रदान करती है जिसका उपयोग कृषि नीतियां बनाने के लिए किया जाता है। यह वर्गों (सीमांत, छोटे, अर्ध-मध्यम, मध्यम और बड़े), काश्तकारी, जोतों के समेकन, भूमि वितरण आदि के आधार पर प्रचालनात्मक जोत की संख्या, आकार और वितरण के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जिसका उपयोग भूमि, सिंचाई सुविधाओं, फसल विविधीकरण, मशीनीकरण और अन्य कृषि आदानों के उपयोग के लिए कुशल योजना हेतु किया जाता है। यह जेंडर आधारित कृषि कार्यकलापों में सहायता प्रदान करने के लिए महिला-संचालित भूमि जोत के संबंध में डेटा प्रदान करता है। संगणना के आंकड़े सरकार को सब्सिडी के कुशल आवंटन, ऋण सुविधाओं, ग्रामीण विकास कार्यक्रमों को लक्षित करने और राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कृषि प्राथमिकताओं को स्थापित करने में भी सक्षम बनाते हैं। इसके अलावा, यह शोधकर्ताओं, योजनाकारों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए कृषि क्षेत्र में एक प्रमुख डेटा स्रोत के रूप में कार्य करता है।

*****